डी० एल० एड० II - S-2 03/06/2020

बुद्धि के सिद्धान्त —

बुद्धि की विभिन्न विद्वानो द्वारा अलग-2 परिभाषाएँ दी गयी हैं। ठीक इसी प्रकार बुद्धि की प्रकृति का वर्णन करने की दृष्टि से विभिन्न विद्वानो द्वारा बुद्धि के पृथक-2 सिद्धान्तो का उल्लेख किया गया है। बुद्धि के इन सिद्धान्तो से हमें बुद्धि के संरचना का ज्ञान होता है। ये सिद्धान्त इस बात पर प्रकाश डालते हैं। कि बुद्धि में किन-2 घटको का समावेश होता है। इसी प्रकार के कुछ प्रमुख सिद्धान्त निम्नलिखित हैं।

1. एक तत्व सिद्धान्त.
2. द्वि तत्व सिद्धान्त.
3. बहु तत्व सिद्धान्त
4. समूह तत्व सिद्धान्त
5. बहु मानसिक योग्यता सिद्धान्त
6. प्रतिदर्श सिद्धान्त
7. पदानुक्रमिक सिद्धान्त
8. त्रिआयामी सिद्धान्त

एक तत्व सिद्धान्त —

विलियम स्टर्न ने इस सिद्धान्त का प्रतिपादन 1911 ई० में किया बिने और टर्मन भी

इस सिद्धान्त का समर्थन करते हैं। इस सिद्धान्त की ये विशेषताएं हैं,

क- बुद्धि एक सामान्य मानसिक शक्ति है

ख- बुद्धि सर्वश्रेष्ठ मानसिक शक्ति है, जो अन्य मानसिक गुणों पर शासन करती है।

ग- बुद्धि का स्वरूप निश्चित नही है, एक व्यक्ति की बुद्धि दूसरे ~~व्यक्ति~~ व्यक्ति की बुद्धि में अन्तर होता है।

घ- बुद्धि एक केन्द्रिय शक्ति है, वह सभी प्रकार के मानसिक क्रियाओं का संचालन करती है, जो व्यक्ति एक समस्या को हल कर सकता है वह दूसरी कोई समस्या हल कर लेगा।

ङ. विभिन्न व्यक्ति सामान्य व्यक्ति का अलग - अलग परिमाण लेकर जन्म ग्रहण करते है।

आज कल के मनोवैज्ञानिक इस मत से सहमत नही है उनके मतानुसार योग्यता सम्बन्धी विभिन्न परिक्षाओं में कोई सह सम्बन्ध नही है।

Scanned with CamScanner